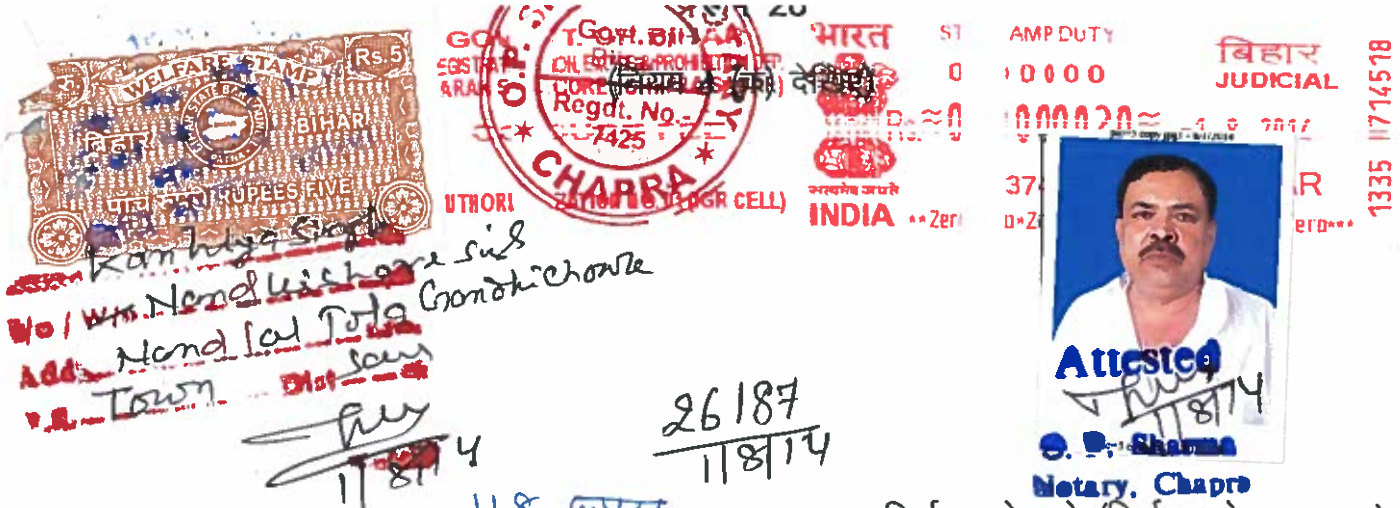

भारत INDIA
बिहार JUDICIAL
WELFARE STAMP BIHAR Rs.5 RUPEES FIVE

Kanhaiya Singh
S/o Nand Kishore Singh
Add. Nand lal Tola Gandhi Chowk
P.S. Town Dist. Saran




26187
11/8/14

118 छपरा ........ निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

बिहार विधान सभा ........(सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ–पत्र

## भाग–क

मैं, कन्हैया सिंह **पुत्र/पुत्री/~~पत्नी~~ नंदकिशोर सिंह आयु 52 वर्ष, जो नंदलाल टोला गांधी चौक थाना छपरा नगर जिला सारण ........(डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/~~करती हूँ~~ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/~~करती हूँ~~:–

(1) मैं भारतीय जनता पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**~~एक स्वतंत्र अभ्यर्थी~~ के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 118 छपरा, बिहार ........(निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं. 244 के क्रम सं. 1044 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 9431216139 ........है/हैं और मेरा ई–मेल आईडी (यदि कोई हो तो) Knsingh chpr @ rediff mail . com ........है।

... (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

| क्र0 सं0 | नाम | पैन | वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है | आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वयं | AZSPS1528G | 2012–2013 | 5 लाख 73 हजार 019 |
| 2. | पति या पत्नी | AQBPD2184K | 2012–2013 | 334502.00 |
| 3. | आश्रित–1 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 4. | आश्रित–2 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 5. | आश्रित–3 | शून्य | शून्य | शून्य |

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ, जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

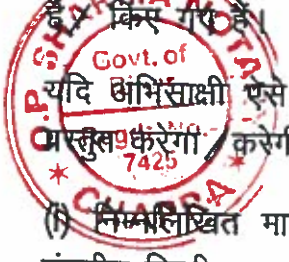

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी:–

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of ... 7425 CHAPRA

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गये हैं।

| | | |
|---|---|---|
| (क) | मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/ संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/ जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे | 1. छपरा का॰ 79/06 छपरा बिहार<br>2. छपरा का॰ 36/06 छपरा बिहार<br>3. इसुआपुर 51/13 छपरा बिहार<br>4. छपरा का॰ 133/14 छपरा " |
| (ख) | संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है | 1. 332, 353, 384, 34 भा॰द॰वि॰<br>2. 452, 353, 323, 149, 170, 427 भा॰द॰वि॰<br>3. 323, 341, भा॰द॰वि॰ 171(E) 171F RP Act<br>e 130, 133 RP Act<br>4. 406, 420, 34 भा॰द॰वि॰ |
| (ग) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | 1. सी॰जे॰एम॰ छपरा<br>2. सी॰जे॰एम॰ "<br>3. श्री एम॰ के॰ मिश्रा "<br>4. सी॰जे॰एम॰ " |
| (घ) | न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई | 1. ज्ञात नहीं<br>2. ज्ञात नहीं<br>3. ज्ञात नहीं<br>4. ज्ञात नहीं |
| (ङ.) | तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे | ज्ञात नहीं |
| (च) | क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं | शून्य |

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न]:–

| | | |
|---|---|---|
| (क) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | 1. श्री [illegible] 2019<br>2. श्री एस.डी.जे.एम. [illegible] 2018<br>3. " [illegible] 2018<br>4. [illegible] 2016 |
| (ख) | उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है | 1. सार्वजनिक जमावा को लेकर।<br>2. सार्वजनिक जमावा को लेकर।<br>3. प्रतिबंधित [illegible] को लेकर।<br>4. [illegible] जमावा को लेकर। |
| (ग) | पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो ) के ब्यौरे | शून्य |

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए ~~सिद्धदोष ठहराया गया है~~/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए करावास का दंडादेश ~~दिया गया है~~/नहीं दिया गया है:

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा करावास का दंडादेश दिया गया है:–

| | | |
|---|---|---|
| (क) | उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है | शून्य |
| (ख) | न्यायालय(न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख(तारीखें) | शून्य |
| (ग) | अधिरोपित दंड | शून्य |
| (घ) | क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हाँ, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति | शून्य |

[illegible] आस्तियां (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – जमा/ विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/ संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 – सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/ शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regd. No. 7425 CHHAPRA

टिप्पण 4 – यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण – 5 रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

| क्र0 सं0 | विवरण | स्वयं | ~~पति या~~ पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | हाथ में नकदी | 1 लाख | 1½ लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम | HDFC [illegible] SBI [illegible] शून्य | SBI [illegible] शून्य | शून्य शून्य | शून्य शून्य | शून्य शून्य |
| (iii) | कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/ शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (iv) | ... बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम | 5 लाख 15 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | मोटरयान/वायुयान/~~याट~~/~~पोत~~ (मेक रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम) | (स्कार्पियो) BR01PD 2285 2012 9 लाख 15 ह. | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vii) | जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे) | 1½ भर सोना 50 हजार | सोना 100 ग्राम 15 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| (viii) | कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य | 2 लाख 47 हजार रिवाल्वर 66 हजार | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ix) | समग्र कुल मूल्य | 31 लाख 78 हजार | 16 लाख 57 हजार | शून्य | शून्य | शून्य |

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1— संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम से आस्तियों का भी विवरण दिया जाता है।

टिप्पण 2— प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regd. No. 7425 PATNA

| क्रम सं0 | विवरण | स्वयं | ~~पति या~~ पत्नी | आश्रित –1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | 66 डि 6/4 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) | 2½ एकड़, | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | है (हां या नहीं) | हाँ | नहीं | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपति की दशा में क्रय की तारीख | 5 कट्ठा 18 धुर | 12 कट्ठा 14 धुर | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत ( क्रय की दशा में) | 8 लाख | 2 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 20 लाख | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | गैर कृषि भूमि अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | 12 कट्ठा | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फूट में कुल माप) | 1990 SFT | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपति है (हां या नहीं) | नहीं | नहीं | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपति की दशा में क्रय की तारीख | 2008 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 10 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फूट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्गफूट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regdt. No. 7425 * CHAPRA *

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ... है (हां या नहीं) | नहीं | नहीं | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फूट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्गफूट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य | 30 Milln | 5 Milln | शून्य | शून्य | शून्य |

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regd. No.- 7425 CHAPRA

(ख) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देयताएं/ की शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ–

(टिप्पण: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

| क्रम सं0 | विवरण | स्वयं | ~~पति या~~ पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | बैंक/वित्तीय संस्था(संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | O D A/c 1 करोड़ बैंक ऑफ बड़ोदा | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य दायित्व | 1 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | दायित्वों का कुल योग | 1 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | टेलीफोन/ मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलीकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | आयकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | धनकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सेवाकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | नगरपालिका/सम्पत्ति कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | [illegible] शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हाँ, तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है, का वर्णन करें। | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

(9) वृति या उपजीविका के ब्यौरे

(क) स्वयं........व्यवसाय........

(ख) ~~प्रति~~ या पत्नी........गृहिणी........

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है:–

1. श्री नंदन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय [illegible]
2. इंटर – राजेन्द्र महाविद्यालय छपरा
3. स्नातक कला – गंगा सिंह महाविद्यालय छपरा

(प्रमाण–पत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regn. No. 7425 CHAPRA

## भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धरण

| | | |
|---|---|---|
| 1 | अभ्यर्थी का नाम | श्री/श्रीमती/कु0 कन्हैया सिंह |
| 2 | डाक का पता– | नंदलाल टोला नेहरू चौक, छपरा, सारण |
| 3 | निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य | 118 छपरा बिहार |
| 4 | उस राजनैतिक दल का नाम, जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'स्वतंत्र' लिखें) | भारतीय जनता पार्टी |
| 5 | (i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किये गये हैं। | चार |

| | | |
|---|---|---|
| | (ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है [उपर मद (i) में उल्लिखित मामलों से भिन्न] | चार |
| 6 | ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया, एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। [लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उप धारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाय] | शून्य |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7 | | 2014 का स्थायी लेखा सं0 | वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है | कुल दर्शित आय |
| | (क) अभ्यर्थी | AZSPS1528G | 2012–2013 | 5 लाख 73 हजार 19 |
| | (ख) पति या पत्नी | ACBPP2454K | 2012–2013 | 334512/- |
| | (ग) आश्रित | शून्य | शून्य | शून्य |

8 आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)

| | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित –1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क | जंगम आस्तियां (कुल मूल्य) | 20 लाख | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| ख | स्थावर आस्तियां | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (i) | स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत | 20 लाख | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/ संनिर्माण लागत (यदि लागू हो) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत | 34 करोड़ | 34 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य |

O.P. SHARMA NOTARY
Govt. of Bihar
Regd. No. 7475
CHAPRA

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | (क) | स्थावर आस्तियां (कुल मूल्य) | 20 लाख | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ख) | विरासती आस्तियां (कुल मूल्य) | पैतृक | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 9 | दायित्व | | | | | | |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | 1 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 10 | ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है | | | | | | |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | 1 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | 1 करोड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 11 | उच्चतम शैक्षिक अर्हता: स्नातक कला - गंगा सिंह महाविद्यालय छपरा, (बिहार विश्वविद्यालय मुज.) 1982 (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्रारूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें।) | | | | | | |

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regdt. No.- 7425 CHAPRA

## सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं, यह और घोषणा करता हूँ कि :–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है।

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख ...1.8.14... को सत्यापित किया गया।

I identify deponent who has signed and L.T.I. in my presence

Advocate 1.8.14

अभिसाक्षी

---

टिप्पण : 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण : 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए जानकारी नहीं है, तो यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण : 5. शपथपत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्याऐं हैं/है...9431216139...

मेरा ई–मेल आई0डी0(अगर कोई हो) है...Kksingh.chapra@rediffmail.com...

एवं मेरा सोशल मीडिया एकांउट्स (अगर कोई हो) है...Nil...

टिप्पण : 6. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121–2008 में रिसर्जेस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथपत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिये गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथपत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथपत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराये जाने हेतु स्मार देगें। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगें। उनके द्वारा कोई स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेगें।

O.P. SHARMA NOTARY Govt. of Bihar Regdt. No.-7425 CHAPRA